निवेश प्रस्ताव दो लाख करोड़ के पार

एनर्जी और हाउसिंग सेक्टर में सबसे अधिक निवेशकों की दिलचस्पी इंफ्रास्ट्रक्चर में भी बूम

राजीव बाजपेयी • लखनऊ

ग्लोबल इन्वेटर्स समिट के बाद लखनऊ में उम्मीद से अधिक निवेश की जमीन तैयार है। 10 से 12 फरवरी तक चली इन्वेस्टर्स समिट के बाद से अब तक लखनऊ में निवेश के प्रस्ताव दो लाख करोड़ को भी पार कर गए हैं। मंगलवार तक प्रशासन को 818 इंटेंट के साथ 2,21,076.64 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिल चुके हैं। राजधानी में सबसे अधिक निवेश के प्रस्ताव रिन्यूएबल एनर्जी यानी अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में आए हैं। हाउसिंग सेक्टर में भी निवेशक दिलचस्पी दिखा रहे हैं। जिस तेजी के साथ लखनऊ दूसरे शहरों को टक्कर दे रहा है, उससे कई क्षेत्रों में निवेशकों ने राजधानी की ओर रुख किया है।

इन्वेस्टर्स समिट से पहले 10 जनवरी को हुए निवेशक सम्मेलन में ही लखनऊ में 50 हजार करोड़ के निवेश के प्रस्ताव आ गए थे। उपायुक्त उद्योग मनोज चौरसिया के मुताबिक रिन्यूएबल एनर्जी में हांगकांग की कंपनी बड़ा निवेश करने जा रही है। रिन्यूएबल एनर्जी अब समय की मांग है, जिसके लिए कई कंपनियों ने दिलचस्पी दिखाई है। हाउसिंग सेक्टर भी निवेशकों को भा रहा है। जिस तरह से लखनऊ में मेट्रो सिटी की आधुनिक सुविधाएं और कनेक्टविटी बढ़ रही है, उससे लोग यहां रहना चाहते हैं, जिसका फायदा इस पूरे सेक्टर को दिख रहा है।

UP GLOBAL INVESTORS SUMMIT

818 इंटेंट के साथ 2,21,076 .64 करोड़ के निवेश प्रस्ताव आए लखनऊ में

थर्ड पार्टी आडिट के बाद होगा ठेकेदारों का भुगतान

लविप्रा ने शहर के सुंदरीकरण के लिए इन्वेस्टर्स समिट और जी-20 सम्मेलन में जो काम कराए हैं, उनके ठेकेदारों को थर्ड पार्टी आडिट के बाद ही भुगतान किया जाएगा। लविप्रा उपाध्यक्ष डा. इंद्रमणि त्रिपाठी ने आडिट कराकर ही भुगतान करने के आदेश दिए हैं। लविप्रा ने शहर का सुंदरीकरण बड़े पैमाने पर कराया था। इन कामों को करने वाले ठेकेदार अब बिल के भुगतान के लिए लविप्रा के चक्कर काट रहे हैं। इस बीच लविप्रा की ओर से उनके कामों का आडिट कराकर भुगतान करने के आदेश दिए हैं।

लखनऊ में दो लाख करोड़ से भी अधिक के निवेश के प्रस्ताव आ चुके हैं। पूरा फोकस अब इन निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारना है। जमीन की खरीद से लेकर उत्पादन तक कई तरह की छूट निवेशकों को दी गई हैं। एकल विंडो सिस्टम के माध्यम से सभी समस्याओं का समाधान किया जा रहा है।

-सूर्यपाल गंगवार, डीएम, लखनऊ

निवेशकों ने जो विश्वास जताया है, उसे और मजबूत करने के लिए सभी विभाग काम करेंगे। हर स्तर पर निगरानी और सक्रियता बढ़ाई जा रही है, ताकि निवेशकों को दिक्कत नहीं हो। सभी जिलों में सिंगल विंडो सिस्टम लागू है, जिससे एनओसी के लिए भागदौड़ नहीं करनी पड़े ।

- अभिषेक प्रकाश, सीईओ, इन्वेस्ट उत्तर प्रदेश

शीर्ष दस निवेश के क्षेत्र